A-617

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

PJ-102

फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ)

1st Sem./ 1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. आधुनिक काल में ज्योतिष की प्रासंगिकता विषय पर निबन्ध लिखिए।

Q.2. द्वावश भावों का परिचय देते हुए उनके कारकों का प्रतिपादन कीजिए।

Q.3. अरिष्टयोग एंव अरिष्टभंग योग का वर्णन कीजिए।

Q.4. लग्नेश के द्वादश भावों में फल की समीक्षा कीजिए।

Q.5. द्विस्वभाव राशियों का स्वरूप एंव शुभाशुभ फल को प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. गजकेसरी एंव केमद्रुम योग के लक्षण सहित वर्णन कीजिए।

Q.2. द्वादश भावों का परिचय देते हुए पंचम भाव की समीक्षा कीजिए।

Q.3. पंचधामैत्री का वर्णन कीजिए।

Q.4. ग्रहों का परिचय देते हुए ग्रह मैत्री सम्बन्ध का वर्णन कीजिए।

Q.5. ग्रहों की दृष्टि विचार का वर्णन कीजिए।

Q.6. चन्द्रमा की विंशोत्तरी महादशा फल का विवेचन कीजिए।

Q.7. द्वादश भावों में शनि के फल का विचार कीजिए।

Q.8. राशि एंव उनके गुणधर्मों का परिचय दीजिए।

****